दैनिक भास्कर
जयपुर सिटी भास्कर 19-12-2025

CB EXCLUSIVE पेटेंट इन्फॉर्मेशन सेंटर-AICTE ने दी 200 को ट्रेनिंग

अब पेटेंट की राह आसान, 100 यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेल

उदिषा पारीक • जयपुर

नई तकनीक, मॉडल, मशीनों में किए गए इनोवेशन के लिए पेटेंट फाइल करना आसान होगा। यह सुविधा अब कॉलेज स्तर पर छात्रों को मिलेगी। साथ ही पेटेंट मिलने के बाद उस इनोवेशन को आगे बढ़ाने, उसे प्रोडक्ट या स्टार्टअप में बदलने और इंडस्ट्री से जोड़ने की राह भी आसान होगी। इसके लिए छात्र न केवल कागजों की लंबी चौड़ी खाना पूर्ति से बचेंगे बल्कि विभाग के चक्कर भी नहीं लगेंगे। पेटेंट फाइलिंग की इस राह को आसान करने के लिए साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग प्रदेश के 100 यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेल (टीटीसी) स्थापित करेगा। यह सेल रिसर्च को पहचानने से लेकर उसे पेटेंट कराने, कंपनियों को दिखाने और उद्योगों में लागू कराने तक की पूरी प्रक्रिया संभालेगा।

अब रिसर्च सिर्फ पेटेंट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उसका वास्तविक इस्तेमाल भी हो सकेगा। सेल बनाने की से पहले विभाग ने पेटेंट इन्फॉर्मेशन सेंटर के साथ मिलकर एआईसीटीई में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए, जिसमें करीब 200 प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया। अलग-अलग सत्रों में प्रतिनिधियों को पेटेंट फाइलिंग, लाइसेंसिंग, तकनीक का मूल्यांकन, इंडस्ट्री से जुड़ने की प्रक्रिया और इनोवेशन को मार्केट तक ले जाने के प्रैक्टिकल तरीके बताए। ये ट्रेनर अपने कॉलेज या दूसरे कैंपस में बनने वाले सेल के लोगों को ट्रेनिंग देंगे, ताकि छात्रों को सरलता से इसका लाभ मिल सकेगा।

गौरतलब है कि साइंस एंड टेक्नोलॉजी का पेटेंट इन्फॉर्मेशन सेंटर अब तक लगभग 20 पेटेंट फाइल कर चुका है। सोजत मेहंदी को जीआई टैग भी मिल चुका है। वहीं पेटेंट को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 10 पेटेंट कैम्प, 13 वर्कशॉप और 6 सेमिनार आयोजित कर चुके हैं, जिनमें करीब 3,000 लोगों ने हिस्सा लिया।

जानिए कैसे काम करेगी सेल

1. स्टूडेंट और प्रोफेसर नई तकनीक, मॉडल या रिसर्च तैयार करेंगे।
2. टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेल उनके रिसर्च को पेटेंट, कॉपीराइट और इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट के जरिए सुरक्षित करेगी।
3. इसमें एक्सपर्ट जांच करेंगे कि यह मॉडल या तकनीक कितनी उपयोगी होगी।
4. सेल टेक्नोलॉजी मार्केट में उद्योगों, निवेशकों, स्टार्टअप्स और संस्थानों के बीच प्रमोशन करेगी।
5. सेल प्रोडक्ट बनाने के लिए रिसोर्स देती है।

फायदे... इंटर्नशिप, जॉब और प्रोजेक्ट

स्टूडेंट्स के इनोवेशन को पेटेंट दिलवाने और स्टार्टअप बनाने में मददगार रहेगी। इंडस्ट्री एक्सपर्ट से मेंटरशिप मिलेगी। पेटेंटिंग, प्रोटोटाइप और टेक्निकल डॉक्यूमेंटेशन में सहायक। इंटर्नशिप, जॉब और प्रोजेक्ट के अवसर मिलेंगे। स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल लर्निंग और एक्सपोजर मिलेगा। अपने आइडिया से प्रोडक्ट बनने का मौका मिलेगा।

सुविधा... पेटेंट इन्फॉर्मेशन सेंटर से मिलेगी जानकारी

शास्त्री नगर स्थित विज्ञान भवन में बने पेटेंट इन्फॉर्मेशन सेंटर में पेटेंट की जानकारी ले सकते हैं। यहां पेटेंट सर्च से लेकर ड्राफ्टिंग, फाइलिंग और फीस से जुड़ी जानकारी मिलती है। रजिस्ट्रेशन, डॉक्यूमेंटेशन और ड्राफ्टिंग के लिए ऑनलाइन मदद मिलती है। तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा हाई-क्वालिटी पेटेंट ड्राफ्ट तैयार किए जाते हैं। स्टूडेंट्स को यहां पेटेंट फाइलिंग में रियायती और बिल्कुल मुफ्त सुविधा दी जा रही है।

राजस्थान में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत पेटेंट सूचना केंद्र स्थापित किया गया है। केंद्र की ओर से वर्तमान में पेटेंट जागरूकता के लिए गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी के अधिकार के अंतर्गत पेटेंट फाइल करने में तकनीकी और वित्तीय सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इस दिशा में शैक्षणिक संस्थाओं में एआईसीटीई के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जा चुका है।

-राकेश परिहार, अनुसंधान अधिकारी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान